

लोक पहल

शाहजहाँपुर | मंगलवार 14 | नवम्बर 2023

शाहजहाँपुर से प्रकाशित

वर्ष : 2 | अंक : 36 | पृष्ठ : 8 | मूल्य 2 रुपये

बीजेपी गरीबों को लूटती है, कांग्रेस गरीबों पर लुटाती है : राहुल गांधी

- » विंध्य को साधने पहुंचे कांग्रेस सांसद, मोदी सरकार पर जमकर बरसे
- » बोले- दो तरीके की होती है सरकार एक जेब में पैसा डालती, दूसरी जो निकालती है
- » मोदी पर कसा तंज, कहा- हर दिन लाखों के सूट पहनते हैं पीएम

लोक पहल

भोपाल। पांच राज्यों में विधान सभा चुनाव को लेकर प्रचार अपने चरम पर पहुंचने लगा है। विपक्ष व सा पक्ष में एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी तेज हो गया है। कांग्रेस व बीजेपी के एक दूसरे पर हमलावर हो गई हैं। दानों प्रमुख दल जनता के बीच एक दूसरे के गुण-दोषों को जोरदार तरीके से बखान कर रहे हैं। उसी क्रम में राहुल गांधी आज सतना जिले के दौरे पर हैं। उन्होंने बीटीआई ग्राउंड में जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार और मोदी पर जमकर निशाना साधा।

राहुल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दो तरीके की सरकार होती है। एक गरीबों के जेब में पैसा

डालती है। एक बड़े-बड़े कारोबारियों के जेब में पैसा डालती है। कांग्रेस ने मनरेगा दिया, भोजन का अधिकार दिया। भाजपा ने नोटबंदी, जीएसटी दी। किसानों के खिलाफ काले कानून लाए ये फर्क है। मध्यप्रदेश की जो नींव थी, उस नींव को भाजपा ने उखाड़कर फेंक दिया है। नींव किसान है, नींव मजदूर है, छोटे दुकानदार हैं, बेरोजगार युवा हैं इन सभी को बीते 15 साल में भाजपा ने खत्म कर दिया है। सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार की

53 अफसर लेते हैं बजट के सारे निर्णय, बस एक ओबीसी

राहुल ने कहा कि बजट के सारे निर्णय 53 अफसर लेते हैं। उन 53 में सिर्फ एक अफसर ओबीसी का है और मोदी जी कहते हैं कि एमपी में ओबीसी सरकार है। आपको झूठ बताया जा रहा है ये कैसी ओबीसी सरकार है। इसलिए मोदी कहते हैं कि देश में सिर्फ गरीब ही जात है। ओबीसी वर्ग की भागीदारी 0.3 फीसदी है। मोदी इस बात को छुपाना चाहते हैं। इसलिए वो किसी भी भाषण में जाति जनगणना की बात नहीं करते। उनका रिमोट अडानी के हाथ में है। एमपी में कांग्रेस की सरकार आते ही सबसे पहले जाति जनगणना हमारा कदम होगा। दिल्ली में सरकार आने पर नेशनल कास्ट सेंसेस होगा। जाति जनगणना देश का एसरे है। इसके बाद हर आदिवासी, दलित, जनरल और ओबीसी वर्ग को पता चल जाएगा मेरी आबादी कितनी है।

तारीफ की। राहुल गांधी ने कहा कि मध्यप्रदेश में किसान को फसल का सही दाम नहीं मिलता, कर्ज लेना पड़ता है। यहां 18 हजार किसानों ने आत्महत्या की है। आपका जीएसटी वाला पैसा अडानी जी की जेब में जाता है और बाहर जाकर खर्च हो जाता है। हम पैसा देते हैं तो किसान छोटी दुकान में

राजस्थान का माहौल देख बौखलाए पीएम: गहलोत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उदयपुर में जनसभा की और कांग्रेस पर आतंकियों के समर्थक होने का संगीन आरोप मढ़ दिया। इस आरोप पर पलटवार करते हुए राजस्थान के मुखिया और कांग्रेस के कद्दावर नेता अशोक गहलोत सामने आए। उन्होंने मीडिया से मुखातिब होते हुए दो टूक कहा कि प्रधानमंत्री बहुत बड़ा पद होता है और उसका बिन तर्क का ये सब कहना शोभा नहीं देता। गहलोत ने पीएम के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि या तो प्रधानमंत्री को गुमराह किया गया

है या ठीक से ब्रीफ नहीं किया गया है। इसी के साथ गहलोत ने कहा कि जिस तरह की भाषा का प्रधानमंत्री स्तर के व्यक्ति की तरफ से इस्तेमाल किया गया है वो पूरी तरह से आपजिनक है, गहलोत का कहना है कि अगर पीएम को गलत ब्रीफ नहीं

किया गया है तो शायद वो राजस्थान का माहौल देखकर या तो घबरा गए हैं या बौखला गए हैं। इसी लिए वो जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री मोदी को इस तरह की बयानबाजी से बचने की सलाह देते हुए कहा कि इस तरह की बातों से माहौल खराब होता है।



बीजेपी के नेताओं ने कराया कन्हैयालाल हत्याकांड

राजस्थान के चुनावी माहौल में कन्हैयालाल हत्याकांड का जिक्र भी बार-बार आ रहा है, इसपर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि कन्हैयालाल का मर्ड कराने वाले बीजेपी के ही लोग थे। उन्होंने आगे इस हत्याकांड पर बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को इस बारे में शायद किसी ने सही से ब्रीफ नहीं किया होगा। गहलोत ने बताया कि कन्हैयालाल के हत्यारों को हत्याकांड के चार-पांच दिन पहले ही थाने ले जाया गया था, तब बीजेपी के नेताओं ने ही उन्हें छुड़ा लिया था। गहलोत ने आगे कहा कि हमने तो दो घंटे के अंदर ही अपराधियों को पकड़ लिया था फिर भी एनआईए ने उसी रात को हमसे कैस ले लिया। हमने इसका विरोध नहीं किया क्योंकि हमें लगा कि कोई अंतरराष्ट्रीय साजिश होगी।

दिल्ली सरकार को सुप्रीम कोर्ट की करारी फटकार

'प्रदूषण पर हमें नतीजे चाहिए'

- » कब तक हर साल हमारे दखल के बाद ही होगा काम

लोक पहल

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण और दिल्ली के पड़ोसी राज्यों में जलने वाली पराली को लेकर जो याचिकाएं डाली गई हैं उस पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की। इस पूरी सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने



दिल्ली में रातभर बारिश के बाद साफ हुई हवा

नई दिल्ली और आसपास के इलाकों में रात भर हुई बारिश से निवासियों को कुछ राहत मिली क्योंकि जहरीली धुंध साफ हो गई और हवा की गुणवा में मामूली सुधार हुआ। मौसम एजेंसी को उद् है कि रविवार को दिवाली से पहले प्रदूषण में और कमी आएगी। बिगड़ती साइकिलों से निपटने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में कृत्रिम बारिश कराने के लिए दिल्ली सरकार की भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के साथ चल रही चर्चा के बीच यह बारिश हुई है। नई दिल्ली एक सप्ताह से गंभीर प्रदूषण से जूझ रही है, जिसमें हानिकारक कार्बन की सांद्रता विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसित स्तर से 100 गुना अधिक देखी गई है। गुरुवार तक यह दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर था। आईएमडी वैज्ञानिक ने कहा कि हम उद कर रहे थे कि दिल्ली में बादल छाए रहेंगे। मौसम और अधिक तीव्र हो गया। पश्चिमी विक्षोभ 70 डिग्री पूर्व और 28 डिग्री उत्तर में निचले स्तर पर प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण के साथ बना हुआ है।

दिल्ली सरकार के उस बयान पर भी तीखी प्रतिक्रिया जाहिर की जिसमें कहा गया था कि ऑड-ईवन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद लागू होगा। सुप्रीम कोर्ट ने पिछली

सुनवाई के दौरान मुख्य सचिवों को बैठक कर पराली और प्रदूषण की समस्या पर काम करने के लिए कहा था। यही वजह रही कि आज यानी 10 नवंबर की सुनवाई शुरू होते ही अदालत ने सबसे पहले यही पूछा कि आप लोगों ने क्या किया?

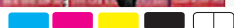
मोदी सरकार को 'सुप्रीम' नोटिस

- » कहा- राज्यपाल रवि पर आरोप बेहद चिंताजनक

लोक पहल

नई दिल्ली। राज्यपाल द्वारा विधेयक पास करने में देरी के खिलाफ तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की हुई है। अब इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में सुप्रीम कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल को मामले की सुनवाई में शामिल होने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि तमिलनाडु सरकार ने याचिका में

जो मुद्दा उठाया है, वह बेहद चिंताजनक है। बता दें कि तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर राज्यपाल पर राज्य विस द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी नहीं देने का आरोप लगाया। सरकार का कहना है कि इससे राज्य में संवैधानिक गतिरोध की स्थिति पैदा हो गई है। संवैधानिक कार्यों पर कार्रवाई ना करके राज्यपाल नागरिकों के जनादेश के साथ खिलवाड़ कर रहे।



केजरीवाल को फंसाने की हो स्त्री बड़ी साजिश : संजय सिंह

» सनसनीखेज दावा-कुछ बड़ी घटना हो सकती है

लोक पहल

नई दिल्ली। सांसद संजय सिंह ने आम आदमी पार्टी के अपने सोशल मीडिया हैंडल एस पर एक पोस्ट साझा की और साथ ही एक वीडियो भी साझा किया है। जिसमें वह बड़ा खुलासा करते हुए कह रहे हैं कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी ही नहीं बल्कि उन्हें फंसाने की पूरी साजिश है और कुछ बड़ी घटना हो सकती है। इससे पहले दिल्ली की आबकारी नीति मामले में कथित घोटाले में शुक्रवार को संजय सिंह को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया।

कोर्ट ने संजय सिंह को न्यायिक हिरासत को एक बार फिर बढ़ा दिया है। संजय सिंह

सिसोदिया और संजय जेल में ही मनाएंगे दीपावली

दिल्ली में कथित थाराब घोटाला मामले में फंसे आम आदमी पार्टी के दो बड़े मनीष सिसोदिया और संजय सिंह इस बार जेल में ही दीवाली मनाएंगे। लेकिन सिसोदिया को एक दिन के लिए पुलिस हिरासत में पत्नी से मिलने की इजाजत दे दी। 11 नवंबर को

सुबह 10 बजे से शाम के चार बजे तक पत्नी से मिल सकेगे। उन्होंने इसके लिए पांच दिन मिलने की इजाजत मांगी थी। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने सिसोदिया से कहा कि वे पत्नी से मिलने के दौरान किसी मीडियाकर्मी को बयान नहीं देंगे

और पार्टी कार्यकर्ता से भी नहीं मिलेंगे। अदालत ने आबकारी मामले में गिरफ्तार आप सांसद संजय सिंह की न्यायिक हिरासत 24 नवंबर तक बढ़ा दी। साथ ही अदालत ने सांसद को शिअद नेता विक्रम मजीठिया इस मामले में पंजाब जाने की इजाजत दे दी है।

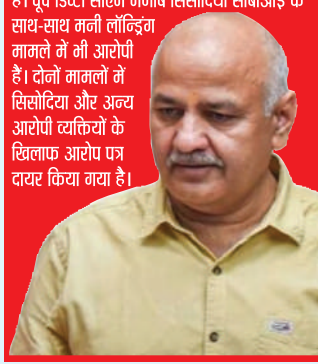


की न्यायिक हिरासत 24 नवंबर तक बढ़ा दी गई है। इसी के साथ ही उनके वकील ने हस्ताक्षर के लिए विकास कार्यों से संबंधित दो सहमति पत्र भी दाखिल किए गए, जिसके लिए कोर्ट ने

इसकी इजाजत दे दी है। इसके अलावा मानहानि मामले में पंजाब से प्रोडक्शन वारंट को भी कोर्ट में पेश किया गया। जिस पर कोर्ट ने संजय सिंह को पंजाब के अमृतसर की अदालत में पेश करने की भी इजाजत दी। सिंह को उनकी न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद आज पेश किया गया। शुरुआत में उन्हें पांच दिन की ईडी हिरासत में भेजा गया था। संजय सिंह को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने 4 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। इस मामले में यह तीसरी हार्ड-प्रोफाइल गिरफ्तारी है।

बीमार पत्नी से मिलने पहुंचे सिसोदिया

राउज एवेन्यू कोर्ट की अनुमति के बाद पुलिस दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को उनकी बीमार पत्नी से मिलवाने लेकर आई है। सिसोदिया अपनी बीमार पत्नी से उस परिसर में मिल रहे हैं जो अब आधिकारिक तौर पर दिल्ली की मंत्री आतिथी को आवंटित किया गया है। यही परिसर पहले उन्हें आवंटित किया गया था। कोर्ट ने सिसोदिया को सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक मिलने की अनुमति दी है। सिसोदिया ने एक आवेदन दायर कर हिरासत में रहते हुए अपनी बीमार पत्नी से पांच दिनों की अवधि के लिए मिलने की अनुमति मांगी थी। विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने कल सिसोदिया को अर्जी पर सुनवाई की थी। कोर्ट दिल्ली एसाइज पॉलिसी से जुड़े सीबीआई और ईडी के मामलों की सुनवाई कर रही है। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया सीबीआई के साथ-साथ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी आरोपी हैं। दोनों मामलों में सिसोदिया और अन्य आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है।



जो राम से नफरत करता हो वो हिंदू नहीं : प्रमोद कृष्णम

» बोले- गांधी परिवार के बिना कांग्रेस की कोई पहचान नहीं

लोक पहल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जो राम से नफरत करता हो वो हिंदू नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि राम मंदिर व रोक्ने के जो प्रयास हुए हैं उसे सारी दुनिया जानती है... राम से नफरत कौन करता है और राम के प्रति श्रद्धा किसकी है? मुझे नहीं लगता कि इस रहस्य पर कोई परदा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस का हिस्सा होने का मतलब ये नहीं है कि सच को सच और झूठ को झूठ न कहा जाए। मैंने महसूस किया है कि कांग्रेस में कुछ ऐसे नेता हैं जिन्हें राम मंदिर से ही नहीं राम से भी नफरत है। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह देश का सौभाग्य है कि हम राम मंदिर के उद्घाटन के साक्षी बनेंगे।

स्टार प्रचारक ना बनाए जाने को लेकर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि नाराजगी का कोई कारण नहीं है। हो सकता है उन्हें (कांग्रेस) हिंदुओं के समर्थन की जरूरत ना हो या किसी हिंदू धर्म गुरु को स्टार प्रचारक बनाने का जो मकसद होता है उन्हें उसमें कोई कमी नजर आ रही हो। ये पार्टी का निर्णय है। उन्होंने यह भी कहा कि गांधी परिवार के बिना कांग्रेस की कोई पहचान नहीं है। संपूर्ण विपक्ष और इंडिया गठबंधन के पास प्रियंका गांधी से अधिक लोकप्रिय कोई दूसरा नेता नहीं है।

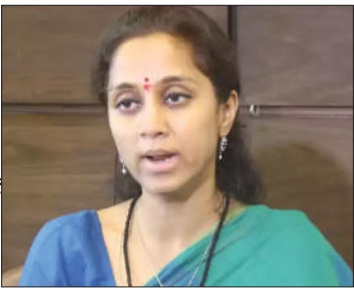


चाचा और दादा की मुलाकात राजनीतिक नहीं : सुप्रिया सुले

» शरद पवार से मिले अजित

लोक पहल

पुणे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने यहां राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की, जिससे राज्य के राजनीतिक हलकों में अटकलें तेज हो गई हैं। शरद पवार की बेटी और राकांपा की लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले ने कहा कि यह मुलाकात राजनीतिक नहीं थी। जुलाई में महाराष्ट्र में अजित पवार के नेतृत्व वाले समूह के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल होने के बाद चाचा और भतीजे के बीच हुई यह दूसरी मुलाकात है। घंटे भर चली बैठक 83 वर्षीय शरद पवार के भाई और सकाल मीडिया समूह के मालिक प्रतापराव पवार के घर पर हुई। सुले ने कहा कि प्रताप पवार की पत्नी अस्वस्थ



हैं और पवार परिवार के सदस्य इसी सिलसिले में शुक्रवार को उनके घर पर एकत्र हुए थे। उनकी बीमारी के कारण, पूरे परिवार के लिए पवार परिवार के दिवाली समारोह में शामिल होना संभव नहीं होगा। सुले ने कहा, हमारी राजनीतिक विचारधाराएं अलग-अलग हैं, फिर भी हम अपने व्यक्तिगत संबंध बनाए रखते हैं।

भाजपा ने आदिवासियों को पेशाब दी: दिग्विजय

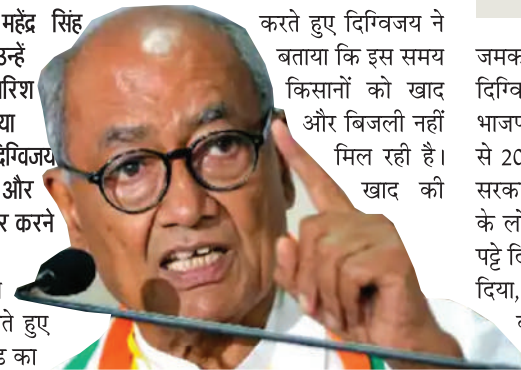
» नहीं मिल रही किसानों को खाद और बिजली

लोक पहल

गुना। मध्यप्रदेश के पूर्व मुमंत्रि दिग्विजय सिंह शुक्रवार को गुना पहुंचे। यहां बमोरी विधानसभा के फतेहगढ़ में उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में आमसभा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आपने 2018 में कांग्रेस को जीताया। महेंद्र सिंह सिसोदिया को जीताया। सरकार बनने पर उन्हें कमलनाथ जी ने सिंधिया जी की सिफारिश पर मंत्री बनाया। लेकिन न जाने या-या लेकर मंत्री ने सरकार गिरवा दी। दिग्विजय सिंह ने महेंद्र सिंह सिसोदिया के विभाग और पूरी भाजपा सरकार पर जमकर भ्रष्टाचार करने का आरोप भी लगाया।

आदिवासियों को लेकर कांग्रेस और भाजपा के रवैये में अंतर बताते हुए दिग्विजय सिंह ने सीधी पेशाब कांड का

जिक्र किया। पूर्व सीएम ने दावा किया कि मनमोहन सरकार ने आदिवासी, सहरिया महिलाओं को हर महीने पैसे देने की योजना लागू की थी। लेकिन भाजपा सरकार ने उनके खातों में पैसे ही नहीं डाले। बमोरी क्षेत्र में खेरूआ आदिवासियों के प्रमाण पत्र नहीं बनने का मुद्दा भी दिग्विजय सिंह ने उठाया। किसानों का जिक्र करते हुए दिग्विजय ने बताया कि इस समय किसानों को खाद और बिजली नहीं मिल रही है। खाद की



सिंधिया गद्दार

दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस द्वारा अजा-अजना और गरीब वर्ग के हित में हमेशा काम करने का श्रेय देते हुए आजादी की लड़ाई में योगदान बताया। उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर, महात्मा गांधी और पं. जवाहरलाल नेहरू सहित पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का भी जिक्र किया। जबकि सिंधिया परिवार की ओर इशारा करते हुए कहा कि इतने बड़े घराने के व्यक्ति ने कांग्रेस से गद्दारी कर दी। कांग्रेस ने उन्हें या नहीं दिया? मंत्री बनाया, सान से रखा, लेकिन या कारण है कि वह छोड़कर चले गए।

जमकर कालाबाजारी की जा रही है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि 2003 से लगातार भाजपा की सरकार है। हम लोगों ने 1993 से 2003 के बीच में जब कांग्रेस पार्टी की सरकार थी, तब अनुसूचित जाति-जनजाति के लोगों को अधिकार दिए, खेती के लिए पट्टे दिए, आवास के पट्टे दिए, पंचायती राज दिया, जिसमें शिक्षाकर्मी और पंचायत कर्मी की नियुक्तियां हुईं, जन स्वास्थ्य रक्षक

पीडीए की ताकत से घबराई बीजेपी-कांग्रेस

» सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- मध्य प्रदेश की जनता चाहती है बदलाव

लोक पहल

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों (पीडीए) की ताकत देखकर कांग्रेस व भाजपा घबरा गई है। सपा मुखिया ने कहा है कि मध्य प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है। समाजवादी पार्टी को मध्य प्रदेश में जनता का अच्छा समर्थन मिल रहा है। समाजवादी पार्टी की विचार धारा भाजपा को कांग्रेस से अलग है। अखिलेश ने ये बातें मध्य प्रदेश में चुनाव प्रचार के दौरान की। उन्होंने कहा कि पिछड़े,

दलित और अल्पसंख्यकों की ताकत देखकर अब कांग्रेस भी जातीय जनगणना और सामाजिक न्याय की बात कर रही है। इसी कांग्रेस पार्टी ने आजादी के बाद जातीय जनगणना रोक दी थी। समाजवादी पार्टी वंचित वर्ग की आवाज बनेगी। मध्य प्रदेश को विकास के रास्ते पर ले जाएगी। वहीं

मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने मध्य प्रदेश के पृथ्वीपुर

विधानसभा क्षेत्र में रोड-शो कर पार्टी प्रत्याशी मिनी यादव और निवाड़ी विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी मीरा दीपक यादव के पक्ष में रोड-शो किया। रोडशो में डिंपल यादव ने कहा कि यह सरकार महिलाओं के अधिकारों को छीन रही है। भाजपा महिलाओं को धोखा दे रही है। भाजपा सरकार में महिला अपराध चरम पर है। स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बेहद खराब है। बहन-बेटियों को शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं नहीं मिल रही है।

नौजवानों और बच्चों का भविष्य खत्म कर रही बीजेपी : डिंपल

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार नौजवानों और बच्चों का भविष्य खत्म कर रही है। ले समय से मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार है लेकिन नौजवानों को नौकरी नहीं मिल रही है। केन्द्र में दस साल और मध्य प्रदेश में 20 साल से भाजपा सरकार है लेकिन किसानों की आय दुगुनी नहीं हुई। भाजपा ने जनता की उर्दों और गरीबों को तोड़ा है। डिंपल यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की ताकत बढ़ेगी तो गरीबों, किसानों, नौजवानों, महिलाओं, आदिवासियों के हित में काम होगा। मध्य

प्रदेश का विकास होगा।



लोक पहल

साप्ताहिक समाचार पत्र

बन रहा है पाठकों की

पहली पसंद

सम्पर्क करें : 9935740205, 9455152599 Write to us : lokpahalspn@gmail.com

येदियुरप्पा के बेटे को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर कांग्रेस ने बीजेपी पर किया कटाक्ष, कहा- वाह भाजपा! भाई-भतीजावाद विरोध का नायाब नजारा पेश किया

लोक पहल

बंगलुरु। भाजपा द्वारा हाल ही में वरिष्ठ नेता येदियुरप्पा के बेटे बीवाई विजयेंद्र को कर्नाटक भाजपा का नया अध्यक्ष नियुक्त करने पर कांग्रेस ने बीजेपी को जमकर घेरा है। कांग्रेस ने तीखा पलटवार करते हुए सारुद्ध दल बीजेपी पर कटाक्ष किया और वंशवाद की राजनीति का कायम रखने का आरोप लगाया। कर्नाटक में कांग्रेस ने कहा, येदियुरप्पा के बेटे को बधाई, जिन्हें बीजेपी का नया प्रदेश अध्यक्ष चुना गया है। हम राज्य के लोगों से इस झूठ पर विश्वास करने की अपील करते हैं कि भाजपा में कोई परिवारवाद राजनीति नहीं है। दरकसल शुक्रवार



बीजेपी ने पार्टी लेटरहेड पर विजयेंद्र की तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

पक्ष के भी जानकारी दी। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण सिंह की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने विधायक विजयेंद्र येदियुरप्पा को कर्नाटक भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास ने कहा, भाजपा कर्नाटक में भाई-भतीजावाद विरोध का एक ज्वलंत उदाहरण है। पार्टी ने बीएस येदियुरप्पा के बेटे विजयेंद्र को कर्नाटक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करके योग्यता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। उन्होंने कहा, भाजपा वास्तव में एक कलग तरह की पार्टी है। धन्यवाद मोदी जी।

बड़ी जिंदगी सौंपने के लिए पीएम को धन्यवाद : विजयेंद्र

नियुक्ति के बाद विजयेंद्र येदियुरप्पा ने कहा, कर्नाटक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में मुझे यह बड़ी जिंदगी सौंपने के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को मेरा विनम्र प्रणाम। उन्होंने कहा कि मैं इसे एक मजबूत संगठनात्मक नींव बनाने के लिए वरिष्ठ नेताओं के सक्षम मार्गदर्शन में अपने प्रिय कार्यकर्ताओं के साथ काम करने का एक दिव्य अवसर मानता हूँ जो हमारी पार्टी और इसके महान संस्थापकों के राष्ट्रवादी आदर्शों और सिद्धांतों की परिकल्पना करता है। कर्नाटक के पूर्व सीएम और बीजेपी नेता बीएस येदियुरप्पा ने बेटे बीवाई विजयेंद्र येदियुरप्पा को कर्नाटक का पार्टी अध्यक्ष नियुक्त होने पर बधाई दी।

प्रतिबद्धता दिखाई है। उन्होंने कहा, भाजपा वास्तव में एक कलग तरह की पार्टी है। धन्यवाद मोदी जी।

महादेव ऐप मामले के 18 आरोपियों पर गैंगस्टर एट

लोक पहल

नोएडा। उत्तर प्रदेश की नोएडा पुलिस ने महादेव ऐप मामले में बड़ी कार्रवाई की है। महादेव ऐप के 18 आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एट लगाया गया है। साल 2022 में नोएडा की एक पॉश सोसायटी से महादेव ऐप से जुड़े लोग पकड़े गए थे। नोएडा पुलिस ने इस ऐप को बैन करने के लिए भी लिखा था। इस मामले में नोएडा के थाना 39 में केस दर्ज हुआ था। गिरतार आरोपी उर प्रदेश के अलग-अलग राज्यों के अलावा छीसगढ़ के रहने वाले हैं।

पुलिस इस मामले में चार्जशीट भी दाखिल कर चुकी है। महादेव ऐप मामले में इस समय जमकर राजनीति हो रही है, भाजपा इस मामले में छलतीगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को घेर रही है, उधर, मुंबई पुलिस ने भी महादेव ऐप मामले में कुछ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मुंबई पुलिस ने कथित तौर पर करीब 15,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में सट्टेबाजी ऐप के प्रवर्तक समेत 32 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। माटुंगा पुलिस के अधिकारी के अनुसार, 2019 से अब तक धोखाधड़ी करने के लिए 'ऐप प्रवर्तक सौरभ चंद्राकर, एवं मुख्य आरोपी रवि उप्पल और शुभम सोनी तथा अन्य के खिलाफ मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज की गयी।

मेरठ के सीओ पर आपजिनक व्हाट्सएप मैसेज भेजने का आरोप

लोक पहल

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर सीओ सिविल लाइन, मेरठ अरविंद चौरसिया द्वारा अपने क्षेत्राधिकार के बाहर जा कर पत्रकारों को व्हाट्सएप मैसेज भेजे जाने के संबंध में डीजीपी यूपी को शिकायत भेज कर जांच और कार्यवाही की मांग की है।

इन व्हाट्सएप मैसेज की प्रति संलग्न कर प्रेषित शिकायत अमिताभ ठाकुर ने कहा है कि उन्होंने कंकड़खेड़ा भूमि घोटाले के संबंध में 8 नवंबर 2023 को मेरठ में प्रेस वार्ता की थी, इसके बाद मोबाइल नंबर 9264981749, जो अरविंद

अमिताभ ठाकुर ने की जांच की मांग



चौरसिया का निजी मोबाइल नंबर बताया जाता है, से लगभग 12.30 बजे के कसपास मेरठ के तमाम पत्रकारों को इंटेलेजेंस कर्मी देवेंद्र सिंह के संबंध में कुछ व्हाट्सएप मैसेज भेजे गए। इन मैसेज में देवेंद्र सिंह पर अपमानजनक व्यक्ति टिप्पणियों के साथ ही आजाद अधिकार सेना का भी उल्लेख था। अमिताभ ठाकुर ने आरोप लगाया है कि इन मैसेज का उद्देश्य उनके तथा देवेंद्र सिंह द्वारा कंकड़खेड़ा भूमि घोटाले में सामने लाए जा रहे तथ्यों की विश्वसनीयता को कम करना था।

चंद्रबाबू नायडू की जमानत अर्जी पर 15 को सुनवाई

लोक पहल

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने कौशल विकास निगम घोटाला मामले में तेदेपा प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू की जमानत अर्जी पर याचिका 15 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी।

फिलहाल, नायडू इस मामले में 28 नवंबर तक जमानत पर हैं। इस बीच, अपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने कमरावती भूमि घोटाले को फिर से खोलने के लिए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की, जिसमें नायडू और वरिष्ठ तेदेपा नेता पी. नारायण को आरोपी बनाया गया है। उच्च न्यायालय ने कमरावती भूमि घोटाला मामले की सुनवाई 22 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी।



हरियाणा में जहरीली शराब पीने से अब तक 19 की मौत, जांच जारी

लोक पहल

चंडीगढ़। हरियाणा में सदिंध जहरीली शराब पीने से कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई है। जिसके बाद गुस्साए ग्रामीण शराब कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने इस मामले में सात लोगों को गिरतार किया है। जिनमें एक कांग्रेस नेता और जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) नेता के बेटे भी शामिल हैं।

इस मामले में जहरीली शराब पीने से मौतें यमुनानगर और पड़ोसी कंबाला जिले के मंडेबरी, पंजेटो का माजरा, फूसगढ़ और सारन गांवों में हुई हैं। बता दें कि जहरीली शराब पीने से हुई मौतों को लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। जहरीली शराब पीने से मरने वालों में 70 वर्षीय बुजुर्ग भी शामिल



है। उनके बेटे रविंदर ने कहा, कल रात मेरे पिता की जहरीली शराब पीने से मौत हो गई। वह शराब के कदी थे, लेकिन कमतर पर बहुत कम शराब पीते थे। वह अपने दोस्तों के साथ शराब पीते थे, जिनकी पहले जहरीली शराब पीने से मौत हो गई थी। पुलिस ने अब तक सात सदिंधों को गिरफ्तार किया है और अन्य को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही है।

दोषियों को दी जाय फांसी की सजा : खाचरियावास

- » दौसा में पुलिस पर नाबालिग लड़की से दुष्कर्म का आरोप
- » भाजपा ने गहलोत सरकार को घेरा

लोक पहल

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में एक पुलिस उप-निरीक्षक ने नाबालिग लड़की से कथित तौर पर दुष्कर्म किया है। इस मामले में आरोपी के खिलाफ स कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। फिलहाल, आरोपी पुलिस अधिकारी को गिरतार कर लिया गया है और आगे की पूछताछ हो रही है। उधर इस मामले में भाजपा ने गहलोत सरकार को घेरा है।

इस मामले पर राजस्थान के



मंत्री प्रताप खाचरियावास ने कहा, ऐसे मामलों में दोषियों को फांसी की सजा दी जानी चाहिए। अपराध को रोकना हर किसी की जिम्मेदारी है। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसी घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि दोषियों को मौत की सजा मिले।

सरकार की अनदेखी से बढ़ रही घटनाएं : सीपी जोशी

नाबालिग से दुष्कर्म पर राजस्थान बीजेपी अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा, हम इस घटना की निंदा करते हैं और आरोपियों को स सजा मिलनी चाहिए। पांच साल से ऐसी घटनाएं हो रही हैं और लगातार बढ़ती जा रही हैं? जब सरकार और प्रशासन इस तरह की घटनाओं को नजरअंदाज कर देते हैं, तो फिर अपराधी ऐसे अपराध करने में सफल हो जाते हैं। पिछले 5 सालों से जिस तरह से दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं, प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमरा रही है। अब समय आ गया है कि राज्य में मौजूदा सरकार को हटाएं। जिन्हें जनता की रक्षा के लिए तैनात किया गया है, वही रक्षक आज मशक बन गए हैं। जब सदन में इन मामलों को माजपा उठाती है, तो कांग्रेस के कैबिनेट मंत्री मर्दों का गुनगान करके उन बातों को दबाने की कोशिश करते हैं।



आरोपी को हिरासत में लिया गया : एसपी

घटना लालसोट इलाके की है, जहां पुलिसकर्मी ने एक नाबालिग लड़की को बहल-फुसलाकर अपने कमरे में ले गया और फिर वहां उस बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। एसपी ने बताया कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। हालांकि, बच्ची की सही उम्र का पता मेडिकल जांच के बाद लगेगा, लेकिन इससे ज्यादा अब तक कोई जानकारी साझा नहीं की गई है।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग का गहलोत सरकार को नोटिस

पुलिसकर्मी द्वारा एक नाबालिग लड़की के साथ कथित दुष्कर्म पर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने कहा, हमने मामले को संज्ञान में लिया है। हम राजस्थान सरकार को एक नोटिस जारी कर रहे हैं। इससे पता चलता है कि सिस्टम कितना असंवेदनशील हो गया है। हमें जो शुरुआती जानकारी मिली है, उसके मुताबिक हम कार्रवाई कर रहे हैं। परिवार की सुरक्षा भी सुनिश्चित करना जरूरी है। आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा कि पीड़िता के परिवार को सुरक्षा मिले और उसे उचित परामर्श दिया जाए।

लोक पहल
साप्ताहिक समाचार पत्र
बन रहा है पाठकों की
पहली पसंद
सम्पर्क करें : 9935740205, 9455152599 | Write to us : lokpahalspn@gmail.com

सम्पादकीय

बहुत तेजी से बढ़ रहा सूखा, चेतना जरूरी

कुछ वर्षों से जलवायु में बहुत परिवर्तन देखने को मिल रहा है। दुनिया के किसी भाग में पानी ही पानी तो किसी भाग में सूखा दिखाई दे रही है। मौसम विज्ञानियों का मानना है कि ये सब प्रभाव अलनीनो की वजह से है। विशेषज्ञ कहते हैं कि पर्यावरण संतुलन पर अगर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले में जल संकट गहरा सकता है। इसलिए नीति निर्धारकों की नहीं आम लोगों को ऐसे उपाय करने होंगे जिससे दुनिया में पानी का संकट आए। दरअसल, धरती पर हर तरह के पानी का लगभग एक फीसदी ही ताजा या मीठा पानी है जो लोगों, पौधों या जमीन में रहने वाले जानवरों के लिए उपलब्ध है। बाकी महासागरों में है या ध्रुवीय बर्फ की चादरों और चट्टानों में बंद है। जलवायु में हो रहे बदलाव से दुनिया में उस एक फीसदी का वैश्विक वितरण बिल्कुल नए तरीके से महत्व रखता है।

पिछले दो दशक से उत्तरी गोलार्ध की तुलना में दक्षिणी गोलार्ध अधिक सूख रहा है। साइंस पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, अल नीनो के कारण दक्षिण गोलार्ध में और सूखा पड़ेगा और इसका असर पूरी दुनिया पर देखने को मिलेगा। लोगों को घटते जलस्तर के कारण संकट का सामना करना पड़ेगा। अध्ययन के निष्कर्ष उपग्रहों के आंकड़ों, नदी और धारा प्रवाह के माप पर आधारित हैं। इस प्रक्रिया ने अध्ययनकर्ताओं को पानी की उपलब्धता में बदलावों का मॉडल और गणना करने में सक्षम बनाया। पानी की उपलब्धता भूमि पर वर्षा के रूप में परिदृश्य को आपूर्ति किए गए पानी की मात्रा और सामान्य वाष्पीकरण से या पौधों से उनकी पत्तियों के माध्यम से वायुमंडल में निकाले गए पानी के बीच का कुल अंतर है। जलवायु में हो रहे बदलाव से दुनिया में उस एक फीसदी का वैश्विक वितरण बिल्कुल नए तरीके से महत्व रखता है। भले ही दक्षिणी गोलार्ध में वैश्विक भूमि क्षेत्र (अंटार्कटिका को छोड़कर) का केवल एक चौथाई हिस्सा है फिर भी उत्तरी गोलार्ध की तुलना में दुनियाभर में पानी की उपलब्धता पर इसका काफी अधिक प्रभाव पड़ता है। दक्षिणी गोलार्ध में ऑस्ट्रेलिया का दसवां हिस्सा, दक्षिण अमेरिका, एक तिहाई अफ्रीका तथा एशिया के कुछ दक्षिणी द्वीप मौजूद हैं। इसमें लगभग 81 फीसदी पानी (जो उत्तरी गोलार्ध से अधिक है) और 32 फीसदी भूमि (जो उत्तरी गोलार्ध से कम है) शामिल है। सूखे के कारण मुख्य कसावा की पैदावार में गिरावट आ रही है। कॉफी और कोको जैसे निर्यात में भी कमी आ रही है। इससे आजीविका का नुकसान, गरीबी और भुखमरी की स्थिति पैदा हो रही है।

वायु स्वच्छता के प्रति समाज भी निभाए दायित्व

पंकज चतुर्वेदी

दिल्ली की सीमा से लगे यूपी के गाजियाबाद जिले के सरकारी अस्पतालों में बीते एक हफ्ते के दौरान समय-पूर्व प्रसव के 39 मामले आये। प्रसूता को ऑक्सीजन की कमी इसका मूल कारण हैं। आखिर हो भी क्यों न! गाजियाबाद से सटे आनंद विहार में वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्‍युआई 900 पार हो गया है। यदि किसी संवेदनशील देश में यह हालात होते तो वहां तालाबन्दी जैसे हालात हो जाते। कहने को ग्रैप-3 यानी तीसरी स्टेज की ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान लागू कर दी है लेकिन न सड़कों पर जाम खत्म हुआ और न ही स्मॉग की घनी चादर कम हो रही। इस साल भी आतिशबाजी पर कड़ाई से पाबंदी लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने संदेश दे दिया कि दूसरों के जीवन की कीमत पर आतिशबाजी की छूट नहीं दी जा सकती है। लेकिन हालात को जब समाज ही और ज्यादा गंभीर बना दे तो किसकी दुहाई दी जाये? अभी करवा चौथ की रात जब चंद्रमा निकला तो पटाखे आकाश में उछाले जा रहे थे।

जाहिर है कि इसका भी असर होना ही था। दिल्ली ही नहीं, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा के अस्पताल सांस-अस्थमा के साथ-साथ दिल के रोगियों की अप्रत्याशित संख्या से बेहाल हैं। विडंबना है, इस धीमी मौत को समाज खुद ही आमंत्रित कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा सांसद मनोज तिवारी की अर्जी ठुकराते हुए कहा कि जश्न मनाने के दूसरे तरीके ढूँढ सकते हैं। जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस एमएम सुंदरेश की पीठ ने तिवारी से कहा कि उन्हें अपने समर्थकों से भी कहना चाहिए कि रोशनी और आनंद के पर्व पर पटाखे न चलाएं। अदालत ने साफ कर दिया कि अकेले दिवाली ही नहीं, छठ, गुरुपर्व और नये साल पर भी आतिशबाजी पर पाबंदी रहेगी, यहां तक कि ग्रीन आतिशबाजी भी नहीं। असल में, कानून और अदालत के जरिये आतिशबाजी पर रोक की

कोशिशें कई साल से चल रही हैं। अदालतें कड़े आदेश भी देती हैं, सरकारें इशतिहार निकालती हैं। स्कूली बच्चे पोस्टर-रैली भी निकालते हैं, लेकिन ऐसे लोगों की संख्या भी कम नहीं जो कुतर्क के साथ और अवैज्ञानिक तरीके से अदालत की अवहेलना करते हैं। यह कड़वा सच है कि पुलिस या प्रशासन के पास न तो इतनी मशीनरी है और न ही इच्छाशक्ति कि हर जगह निगाह रख सके। लेकिन समाज को तो खुद और अपने परिवार की सांसों की परवाह होनी चाहिए। धार्मिक ग्रंथों से यह स्पष्ट हो चुका है कि बारूद के पटाखे चलाना कभी भी परंपरा का हिस्सा रहा नहीं है। इस साल दिवाली

देश के 200 से अधिक महानगरों व शहरों की आबोहवा को जहरीला कर देती है। दिल्ली में तो कई सालों से बाकायदा सरकारी सलाह जारी की जाती है- यदि जरूरी न हो तो घर से न निकलें। फेफड़ों को जहर से भर कर अस्थमा व कैंसर जैसी बीमारी देने वाले पीएम अर्थात हवा में मौजूद छोटे कणों की निर्धारित सीमा 60 से 100 माइक्रो ग्राम प्रति क्यूबिक मीटर है, जबकि दीपावली से पहले ही यह सीमा 900 के पार तक हो गई है। यही हाल देश के अन्य महानगरों, प्रदेशों की राजधानियों व मंझोले शहरों के भी हैं। चूंक हरियाणा-पंजाब में पराली जल ही रही है, वहीं हर जगह हो रहे



से पहले ही दिल्ली ही नहीं, देश के बड़े हिस्से में ‘स्मॉग’ छा गया है। इस कोहरे मिश्रित धुएं में जहरीले कण शामिल होते हैं जो कि भारी होने के कारण ऊपर उठ नहीं पाते व इंसान की पहुंच वाले वायुमंडल में ही रह जाते हैं। जो सांस लेते समय फेफड़े में प्रवेश कर जाते हैं। इससे दमा, सांस ,ब्लड प्रेशर व हार्ट अटैक तक का खतरा मंडराने लगता है। साल 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर की हवा में जहर के हालात देखते हुए इलाके में आतिशबाजी की बिक्री पर रोक लगाई थी। उसके बाद हर साल दिवाली से पहले कभी रोजगार तो कभी परंपरा के नाम पर इस पाबंदी को हटाने की मांग होती है और हर बार कोर्ट का रुख कड़ा होता है। यह किसी से छुपा नहीं है कि दीपावली की आतिशबाजी राजधानी दिल्ली सहित

अनियोजित निर्माण धूल के कारण हवा को दूषित कर रहे हैं, तिस पर मौसम का मिजाज। यदि ऐसे में आतिशबाजी चलती है तो हालात बेकाबू हो सकते हैं। बता दें कि पटाखे जलाने से निकले धुएं में सल्फर डाइआक्साइड, नाइट्रोजन डायआक्साइड,मोनो आक्साइड, शीशा, आर्सेनिक, बेंजीन, अमोनिया जैसे कई जहर सांसों के जरिये शरीर में घुलते हैं। इनका कुप्रभाव पशु-पक्षियों पर भी होता है। ससे उपजा करोड़ों टन कचरे का निपटान भी बड़ी समस्या है। भयानक वायु प्रदूषण होता है। इसके कागज वाले हिस्से को रिसाइकिल किया जाए तो भी जहर घर, प्रकृति में आता है। वहीं यदि इसे डंपिंग में पड़ा रहने दिया जाए तो इसके रासायनिक विष-कण मिट्टी व भूजल को जहरीला कर देते हैं।

जयंतीलाल भंडारी

दीपावली त्योहार के इन दिनों में शहरी और ग्रामीण बाजारों में बढ़ती मांग और उत्साह का सुकून दिखाई दे रहा है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईआई) की ताजा रिपोर्ट बताती है कि महंगाई में आई कमी से कच्चे माल की लागत एक-तिहाई घट गई है। पिछले माह अक्टूबर, 2023 में ई-वे बिल या इलेक्ट्रॉनिक परमिट जनरेशन का आंकड़ा 10.3 करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। किसी माल को राज्य के भीतर और बाहर भेजने के लिए कारोबारी ऑनलाइन ई-वे बिल निकालते हैं। करीब 50 हजार रुपये से ज्यादा का माल दूसरी जगह भेजने के लिए ई-वे बिल निकालना जरूरी है। ई-वे बिल की संख्या में वृद्धि अर्थव्यवस्था में मांग और आपूर्ति बढ़ने के रुझान का प्रारंभिक संकेत मानी जाती है। इस समय देश की कंपनियों का मुनाफा भी बढ़ गया है। घरेलू निवेशकों के दम पर शेयर बाजार लगातार बढ़ रहा है।

यकीनन यह कोई छोटी बात नहीं है कि इन दिनों जहां कच्चे तेल की कीमतें ऊंचाई पर हैं तथा वैश्विक खाद्यान्न संकट से वैश्विक महंगाई बढ़ी हुई है और दुनिया के बाजार ढहते हुए दिखाई दे रहे हैं, वहीं ऐसी प्रतिकूलताओं के बीच भी भारत के बाजारों में रौनक दिखाई दे रही है। गौरतलब है कि अक्टूबर, 2023 में प्रकाशित केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक थोक एवं खुदरा महंगाई के सूचकांक महंगाई में कमी का संकेत दे रहे हैं। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में यह कमी इस बार सूचकांक से तय होने वाली इस दर में अनाज, सब्जी, परिधान, फुटवियर, आवास एवं सेवाओं की कीमतों में आई गिरावट की

बाजार मुस्कुराया पर महंगाई की फिक्र



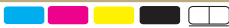
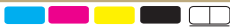
वजह से हुई है। साथ ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की क्रयशक्ति बढ़ी है। लेकिन महंगाई की आशंका के मद्देनजर सरकार महंगाई नियंत्रण के लिए रणनीतिक कवायद करते हुए दिखाई दे रही है। 16 नवंबर को केंद्र सरकार ने भारत आटा नाम ब्रांड से देशभर में 27.50 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर गेहूं के आटे की बिक्री शुरू कर दी है। 28 अक्टूबर को महंगाई रोकने के मद्देनजर केंद्र सरकार ने वादा कारोबार पर अंकुश के लिए एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। इसके तहत सेबी ने सात तरह की एग्री कमोडिटी के वायदा कारोबार पर पाबंदी को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। इनमें गेहूं, सरसों, चना और मूंग जैसे अनाजों के साथ ही तिलहन में सोयाबीन, कूड पाम (सीपीओ) के साथ गैर-बासमती ट्रेडिंग शामिल है। इन सभी एग्री कमोडिटी के वायदा कारोबार पर दिसंबर, 2024 तक पाबंदी जारी रहेगी। अभी दिसंबर, 2023 में पिछले आदेश के अनुसार प्रतिबंध खत्म हो रहा था। उल्लेखनीय है कि खाद्य वस्तुओं की महंगाई कोविड के दौर में तेजी से बढ़ी थी। इसके बाद सरकार ने

सोयाबीन के बाद गेहूं, चना और अन्य तेल के वायदा कारोबार पर प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार का उद्देश्य वायदा कारोबार में मनमानी तेजी-मंदी को रोककर हाजिर बाजार में स्थिरता लाना है। इसी तरह देशभर में प्याज की आपूर्ति में कमी के कारण प्याज के खुदरा मूल्य के ऊंचाई पर पहुंचने के मद्देनजर 28 अक्टूबर को केंद्र सरकार ने प्याज के बढ़ते मूल्य पर अंकुश लगाने और घरेलू बाजार में पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के लिए प्याज पर न्यूनतम निर्यात मूल्य तय कर दिया है।

अब 800 डालर प्रति टन से कम मूल्य पर प्याज का निर्यात नहीं किया जा सकेगा। यह न्यूनतम निर्यात मूल्य 31 दिसंबर, 2023 तक के लिए तय किया गया है। सरकार ने कीमतों पर अंकुश के लिए बफर स्टॉक से कम मूल्यों पर प्याज की खुदरा बिक्री भी बढ़ा दी है। केंद्र सरकार ने बफर के लिए अतिरिक्त 2 लाख टन प्याज की खरीद की भी घोषणा की है। गौरतलब है कि सरकार महंगाई नियंत्रण के लिए मौद्रिक आयात नियंत्रण और स्टॉक सीमा निर्धारण के उपायों को भी

अपना रही है। 6 अक्टूबर को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लगातार चौथी बार नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का निर्णय लिया है। खुदरा महंगाई के तय दायरे से अधिक होने के कारण रिजर्व बैंक ने यह फैसला लिया है। जब महंगाई ज्यादा होती है तो आरबीआई रेपो रेट बढ़ाकर अर्थव्यवस्था में मुद्रा प्रवाह को कम करने की रणनीति अपनाता है। आरबीआई के रेपो रेट स्थिर रखने के फैसले से फिलहाल मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्जों पर मासिक किस्त (ईएमआई) में कोई बदलाव नहीं होगा और महंगाई में नरमी आएगी। केंद्र सरकार ने विगत 29 अगस्त को घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम 200 रुपये घटाकर भी बड़ी राहत दी है।

केंद्र सरकार द्वारा खाद्य पदार्थों के निर्यात पर लगातार सख्ती बरती जा रही है। पिछले साल 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद कम उत्पादन के कारण गेहूं के निर्यात पर जो पाबंदी लगाई थी, वह अब तक जारी है। सरकार ने बासमती चावल के निर्यात के लिए 1200 डॉलर प्रति टन को न्यूनतम मूल्य तय किया है। प्याज पर 40 फीसदी निर्यात शुल्क लगाया है। सरकार ने उबले चावल के निर्यात पर भी 20 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है। गेहूं और चावल की बढ़ती कीमतों को काबू करने की कोशिश में सरकार जुटी हुई है। इसलिए सरकार ओपन मार्केट सेल स्कीम (ओएमएसएस) के जरिए रियायती दर पर गेहूं और चावल दोनों बेच रही है। इसी तरह सब्जियों, दालों और तिलहन के दाम काबू में रखने के लिए भी उपाय किए गए हैं। यह निर्धारित हुआ है कि दाल के थोक व्यापारी या बड़ी रिटेल चेन अधिकतम 50 टन तुअर और 50 टन उड़द स्टॉक में रख सकेंगे।



सियासी वनवास खत्म करने के लिए बसपा ने बनाया मास्टर प्लान

- » 2007 से लगातार घट रहा बीएसपी का सियासी वर्चस्व
- » पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के जरिए जनता को लुभाने में जुटी मायावती लोक पहल

लखनऊ। कभी उर प्रदेश की सा पर राज करने वाली बहुजन समाज पार्टी पिछले कुछ वक्त से अपना सियासी बनवास झेल रही है। 2007 में अंतिम बार मायावती उर प्रदेश के मुमंत्रि की कुर्सी पर विराजमान हुई थीं। लेकिन उसके बाद मानो मायावती और बसपा को ऐसा ग्रहण लगा कि तबसे सा तो दूर की बात बसपा कभी मुकाबले में भी नजर नहीं आई। फिर वो चाहें 2012 का विधानसभा चुनाव जहां समाजवादी पार्टी ने शानदार जीत हासिल की थी। हालांकि, इस चुनाव में बसपा प्रदेश में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। लेकिन इसके बाद 2014, 2017, 2019 और 2022 इन चार चुनावों में बसपा का ऐसा डाउनफाल हुआ कि अभी तक बसपा ऊपर ही नहीं उठ पाई है।

यही वजह है कि कभी प्रदेश की प्रमुख पार्टी रहने वाली बसपा इस समय उत्तर प्रदेश में सिर्फ एक विधायक के साथ गुजर कर रही है। तो वहीं लोकसभा में भी मायावती ने बसपा को जीवित करने के लिए अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी समाजवादी पार्टी के साथ अखिलेश यादव के नेतृत्व में गठबंधन तक कर लिया। बुआ-भतीजे की जोड़ी एकसाथ भाजपा-कांग्रेस का मुकाबला करने के लिए उतरी। यहां 2014 ते मुकाबले तो जरूर बसपा को फायदा पहुंचा। क्योंकि 2014 के लोकसभा चुनाव में तो बसपा एक भी सीट को नहीं जीत पाई थी। लेकिन 2019 में अखिलेश यादव के साथ आकर मायावती को फायदा पहुंचा और उनकी संख्या जीरो से 10 तक पहुंच गई। हालांकि, उसके बाद हालातों में परिवर्तन हुए और काफी कुछ बदला। लेकिन 2019 के बाद जब 2022 में उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव आए तो मायावती व पूरी बसपा को उम्मीद थी कि पार्टी कुछ बेहतर प्रदर्शन करेगी और भारी संख्या में सीटें जीतकर लाएगी। लेकिन जब परिणाम आए तो जो सामने आया वो न सिर्फ बसपा और मायावती के लिए भयावह था बल्कि बसपा के सभी समर्थकों के लिए भी काफी निराश करने वाला करने वाला परिणाम था। क्योंकि कभी प्रदेश की सत्ता पर राज करने वाली पार्टी 2022 के विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक सीट पर सिमट कर रह गई। विधानसभा चुनाव का ये परिणाम बसपा व मायावती के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं है। क्योंकि ये हाल उस पार्टी का है जिसके पास अपना सेपरेट वोट है, जो काफी ज्यादा मात्रा में है। हालांकि, अब भाजपा उस वोट को तोड़ने का दावा करती है। लेकिन अगर अभी भी आप एक वर्ग से बात करेंगे तो उनके मुंह से बहनजी का ही नाम सुनेंगे। लेकिन इस बात में भी कोई दोराय नहीं है कि सत्ता में आने के बाद से भाजपा ने काफी हद तक बसपा के इस वोट बैंक में संघमारी की है। जिसकी झलक चुनाव परिणामों में भी साफ तौर पर देखने को मिल ही जाती है।



जनाधार वाले नेताओं का अभाव

बसपा के कमजोर होने की एक वजह ये भी है कि उसके पास अब वो जमीनी नेता नहीं रहे हैं। जो कभी हुआ करते थे। यही वजह है कि अब एक बार फिर मायावती ने स्थानीय सेलनों में क्षेत्रीय नेताओं को भी तवज्जो देने की बात कही है। साथ ही उन्हें पार्टी में बड़ा पद देने की बात कही गई है। बीएसपी की इस रणनीति के पीछे भी बड़ी वजह है कि पहले बीएसपी के पास अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग जाति धर्म वर्ग से आने वाले ऐसे प्रभावशाली नेता थे जिनका अपने इलाके में और अपने वोट बैंक पर मजबूत पकड़ रहती थी। लेकिन कुछ लोग पार्टी छोड़ कर चले गए तो कुछ लोगों को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। 2017 के बाद तो यह सिलसिला और तेज हो गया। फिर इसी का नतीजा रहा कि 2022 के विधानसभा चुनाव में बसपा सिर्फ एक सीट पर सिमट कर रह गई। 2023 के निकाय चुनाव में भी बसपा का मुस्लिम कांड काम नहीं आया। एक वक्त था जब बीएसपी में दूढ़ प्रसाद, आर के चौधरी, राम अचल राजभर, लालजी वर्मा, स्वामी प्रसाद गौर्य, दीनानाथ भास्कर, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, बाबू सिंह कुशवाहा, रामवीर उपाध्याय, ठाकुर जयवीर सिंह जैसे नेता हुआ करते थे। जिनका अपने क्षेत्र में और अपने समाज में अच्छा प्रभाव था। लेकिन कुछ लोग पार्टी से बाहर कर दिए गए तो कुछ पार्टी छोड़ कर चले गए। हालांकि बीजेपी के नेता बीएसपी की बदली हुई रणनीति पर कह रहे हैं कि अब उनका कोई जनाधार नहीं है वह कोई भी रणनीति तैयार कर ले जनता बीजेपी के साथ जाने वाली है। एक समय था जब बसपा का एक वक्त अच्छा खासा प्रभाव हर एक क्षेत्र में हुआ करता था और इसके नेताओं की ना सिर्फ अपने क्षेत्र में बल्कि अपने कैडर और वोट बैंक पर भी अच्छी पकड़ थी। लेकिन धीरे-धीरे जब नेता पार्टी छोड़कर चलते बने तो उन्होंने इसके पीछे पार्टी की बदलती नीति को जिम्दार बताया और इसका संदेश ना सिर्फ पार्टी के बाहर बल्कि कैडर के बीच भी गया कि पार्टी अपनी नीति से अलग चल रही है। यही वजह है कि बसपा अब फिर से एक प्रभावशाली लीडरशिप तैयार करने में जुट गई है।

विस चुनावों में एटिव मोड में नजर आ रही माया

ऐसे में अब जब एक बार फिर लोकसभा चुनाव आ गए हैं और 2024 में होने वाले इन आम चुनावों में अब सिर्फ 4 से 5 महीनों का ही समय बाकी रह गया है। तब सभी दलों की तरह बसपा और मायावती भी अपनी रणनीति तैयार करने में जुट गई है। योकि मायावती का मानना है कि उन्हें पुराने अनुभवों और उन परिणामों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ना और 2024 में भाजपा के सामने एक मजबूत चुनौती पेश करनी है। यही वजह है कि लोकसभा चुनाव से पहले पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में भी मायावती अपनी पूरी ताकत जोक रही हैं। मायावती मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए सुपर एटिव मोड में नजर आ रही हैं। वो लगातार प्रदेश के चक्कर लगा रही हैं और भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस पर भी लगातार हमला बोल रही हैं। मध्य प्रदेश में मायावती जनता से कह रही हैं कि अकेली बसपा ही ऐसी पार्टी है जो गरीबों, आदिवासियों व दलितों का मला चाहती है और मला करती है। बाकी भाजपा और कांग्रेस सिर्फ बातें करते हैं। एमपी चुनाव में मायावती लगातार आरक्षण के मुद्दे को भी उठा रही हैं। और इसको लेकर भी कांग्रेस और भाजपा दोनों पर ही बराबर से हमला बोल रही हैं। मकसद साफ है। मायावती इन पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के जरिए 2024 के लिए अपनी जमीन को मजबूत बनाने में जुटी हुई हैं। योकि मायावती सोच रही हैं कि अगर इन राज्यों में उनकी पार्टी ने कुछ बेहतर प्रदर्शन किया और कुछ एक सीटें ही हासिल कर लीं। तो संभव है कि 24 के लोकसभा चुनाव में भी उन्हें

युवाओं को भी साधने की तैयारी

साथ ही अब लोकसभा चुनाव में बसपा युवाओं को लुभाने का भी प्रयास करेगी। इसके लिए मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को अभी से ही आगे करना शुरू कर दिया है। कुछ दिन पहले ही एक बैठक ने मायावती को सार्वजनिक रूप से आकाश को आगे किया था और उनके कंधे पर हथ रखे नजर आई थी। जिससे ये साफ संदेश गया कि भविष्य में बसपा का चेहरा आकाश आनंद ही होंगे। तो वहीं आकाश आनंद के जरिए बसपा युवाओं को अपने साथ जोड़ने का भी प्रयास करेगी। फिलहाल अब देखना ये है कि बसपा 2024 में इन सारी रणनीतियों के सहारे कहां तक पहुंच पाती है। योकि जाहिर है कि एक ओर जहां भाजपा की अगुवाई वाला एनडीए 38 दलों को एकसाथ लेकर 24 के चुनाव के लिए आगे बढ़ रहा है। तो वहीं दूसरी ओर लगभग 26 दलों ने मिलकर इंडिया गठबंधन का गठन किया है। हालांकि, ये विपक्षी गठबंधन लोकसभा चुनावों से पहले ही टूट की कगार पर पहुंच गया है। लेकिन इन दोनों गठबंधनों से इतर मायावती ने 2024 में लोकसभा चुनाव में अकेले ही उतरने का प्लान बनाया है। योकि मायावती का कहना है कि गठबंधन से उन्हें नुकसान हुआ है। हालांकि, 2019 के हालात उनके इस बयान से पूरी तरह से अलग रहे थे। फिर भी मायावती का ये अपना विचार है और इसी के सहारे अब वो 24 के चुनाव में अकेले ही अपने दम पर उतरने जा रही हैं। अब देखना ये ही है कि या 24 के चुनावों में मायावती की किस्मत कुछ बदलती है। या फिर जो हाल पिछले लगभग 11 साल से चला आ रहा है, वही चलता रहेगा।



2024 में भाजपा के लिए आसान नहीं यूपी की राह विधानसभा चुनाव में मिली जीत के बाद भी कम नहीं हो रही चिंताएं

» पश्चिम को साधने में जुटी बीजेपी

लोक पहल

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के चलते देश में इस समय सियासी पारा काफी हाई है। इन विधानसभा चुनावों को 2024 के लोकसभा चुनावों का सेमीफाइनल माना जा रहा है। इसलिए चाहें कांग्रेस हो या भाजपा सभी राजनीतिक दल इन राज्यों के चुनावों में काफी मेहनत कर रहे हैं और अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं। भाजपा और कांग्रेस के लिए तो इन चुनावों के परिणाम काफी मायने रखते हैं। योंकि इन चुनाव के परिणामों से ही 2024 के लिए भी माहौल बनना शुरू होगा। ऐसे में ये दोनों दल इन राज्यों में काफी मेहनत कर रहे हैं। लेकिन वो कहते हैं न कि 'दिल्ली का रास्ता यूपी से ही होकर गुजरता है'। यानी कि अगर दिल्ली में देश की सा पर राज करना है तो उर प्रदेश में आपको बेहतर करना ही होगा।

ये ही वजह है कि इंच पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के इंच 2024 में उत्तर प्रदेश में बेहतर प्रदर्शन करत हर किवे के लिए एक बड़ी चुनौति बत हुआ है। लेकिन ये चुनौति चिर्न च्या, बच्चा और काङ्ग्रेस के चमने ही ऋँ बल्कि देश के च्ताधारी दल भाजपा के चमने भी है। भले ही भाजपा के पांच इंच चमय यूपी की 80 लोकचम्मा चेटों में च 62 पर कब्जा हो। लेकिन फिर भी 24 में भाजपा के लिए भी यूपी की राह आचऱ ऋँ है। इच्छी कई वजह है। क्योंकि इंच बार हालां 2019 च पूरी व्ह च अलऊ है। 2024 में च वे 2019 वाला मोदी मज्जि दिखाई दे रहा है और च ही इंच बार हिंदुत्व का कार्ड भाजपा के अब क्क उक्त्र काम आया है। हालांकि, 2024 के चुनव च पहले राममंदिर का त्रिमाण कार्य पूरा कराकर भाजपा एक बार फिर भञ्जाम राम के त्रम पर यूपी के लोअें को चधे का प्रयाच करेअें। लेकिन फिर भी इंच बार भाजपा के लिए यूपी की राह काफी मुश्किल होे वाली है। वे वहीं दूच्री ओर इंच बार भाजपा के लिए यूपी 2019 च भी ज्यादा जरूरी बऱ अ्मा है। क्योंकि इंच बार यूपी के बाहर भी भाजपा की चेटों में कमी होत पक्का च्य है। ऐंचे में भाजपा उत्तर प्रदेश में अपत्रे चेटों पर कटौवे कर्इ बर्दाश् च्ँ कर पाएअें। क्योंकि अऊ यूपी में भी भाजपा को झटका लऊ है वे जाहिर है कि मोदी चहेब का वेचरी बार च्ता की कुर्च पर बंठे का च्पत्र च्पत्र ही रह जाएअें। वं च भी इंच बार च्ता का स्वच मोदी और भाजपा के लिए हर बीक् दिऱ के चथ धुंधला ही होव जा रहा है। ऐंचे में इंच बार यूपी भाजपा के लिए और भी जरूरी बऱ अ्मा है।

लेकिन जिव्र ही यूपी जरूरी बऱ रहा है। उक्त्रे ही मुश्किलें भी भाजपा के चमने उत्तर प्रदेश में खड़ी हो रही है। ये मुश्किलें अऊ एक ओर च्माजवादी पार्टी पीडीए फॉर्मले के जरिए खड़ी कर रही है। वे वहीं दूच्री ओर राहुल अंधी की बढवे लोकप्रियव और काङ्ग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की बढवे आक्रामक चक्रियव भी भाजपा के लिए चुनैव्यां खड़ी कर

रही है। वहीं इंच बार मायावती भी एक त्र प्लाऱ के चथ 24 के रण में उक्त्रे को वयार है। जाहिर है कि इंच च्भी का मुकाबला भाजपा च ही होत है। वहीं अऊ इंडिया उठबंधऱ में च्वकुछ ठीक रहा और विपक्षी दल एकजुट होकर 2024 के चुनव में यूपी में उक्त्रे। च्व वे चफ है कि भाजपा के लिए यूपी में खवे की घंटी बजत व्य है। ऐंचे में यूपी में भाजपा च्वचे मजबूत त्रर ओे के बाद भी काफी परेशाऱ दिखाई दे रही है।

पश्चिमी यूपी का किला भाजपा के लिए बना चुनौती

वहीं भाजपा की परेशानी की एक वजह ये भी है कि प्रदेश में पूर्वांचल में तो योगी ने भाजपा को मजबूत बनाया है। लेकिन पश्चिमी उर प्रदेश में भाजपा के लिए चुनौतियां कम होने

का नाम नहीं ले रही हैं। और 2014 और 19 में अच्छा करने के बाद भी पश्चिमी यूपी को लेकर भाजपा खासा परेशान दिखाई दे रही है। यही वजह है कि पिछले साल यूपी में हुए विधानसभा चुनाव से ठीक पहले गृहमंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय लोकदल अध्यक्ष जयंत चौधरी को साधने की तमाम कोशिशें की थीं। जाट बेल्ट में मतदान से दो हते पहले तक शाह जयंत चौधरी को संदेश भेजे जाते रहे। लेकिन भाजपा के कथित चाणय की दाल यहां गलती नहीं दिखाई दी। और यह प्रयास पूरी तरह से विफल ही रहा। इस कदम से ऐसी पार्टी को लुभाने की भाजपा की उत्सुकता दिखाई दी जो हमेशा उसकी विचारधारा और प्रस्तावों का विरोध करती रही है। ऐसी पार्टी को अपने साथ लाने की कोशिश हुई जो मजबूती से यूपी की मु विपक्षी समाजवादी पार्टी के साथ खड़ी रही। भाजपा की इस लाचारी और इस प्रयास से उस समय ही ये साबित हो

गया कि पश्चिमी यूपी भाजपा के लिए चुनौती बना हुआ है। हालांकि, ये बात अलग है कि विधानसभा चुनावों में भाजपा को सफलता मिली और एक बार फिर वो सा पर काबिज हुई। लेकिन अब जब अगले 4 से 5 महीनों में लोकसभा चुनावों का बिगुल बजना है। तो भाजपा के लिए पश्चिमी यूपी अभी भी प्रदेश में उसकी सबसे कमजोर कड़ी ही बना आ है। यही वजह है कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा की निगाहें एक बार फिर से जयंत चौधरी पर टिकी हैं। भाजपा जयंत के साथ ही उनके जाट वोटों को लुभाने में लगी है। आखिर भाजपा को यों अब भी जयंत की जरूरत महसूस हो रही है। या जयंत का पश्चिमी यूपी में मजबूत आधार बीजेपी को मजबूर कर रहा है। इन सवालों का जवाब आप खुद ही तलाश सकते हैं। हालांकि, जयंत चौधरी कई मौकों पर ये साफ कर चुके हैं कि वो भाजपा में जाने वाले नहीं हैं। वहीं हाल ही में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच जारी तनातनी में भी उन्होंने सपा प्रमुख का समर्थन किया और कांग्रेस से बड़ा दिल दिखाने की बात कही। यानी साफ है कि जयंत का स्टैंड लीयर है और वो सपा के साथ कंधे से कंधा मिलकर चलने को तैयार हैं। लेकिन फिर भी भाजपा अपने प्रयास में लगी हुई है। जो ये दर्शाता है कि भाजपा को यूपी वेस्ट में एक डर सता रहा है।

मायावती के कदम पर भी निगाह

वरुण गांधी बने हुए हैं अनसुलझी पहली

एक ओर जहां विपक्षी दल भाजपा के लिए चुनौती बने हुए हैं। तो वहीं दूसरी ओर प्रदेश में भाजपा के अंदर भी पार्टी के लिए



माहौल सही नहीं दिखाई दे रहा है। भाजपा के पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी पिछले कई दिनों से चर्चा में बने हुए हैं। उनकी हालिया टिप्पणियों की कई तरह से व्या की जा रही है। लोग इसे भाजपा से मोहभंग से जोड़ रहे हैं। योंकि भाजपा भी इसका सही जवाब अभी नहीं दे पा रही है कि वरुण के दिमाग में या चल रहा है। और या पार्टी उन्हें या मेनका गांधी को 24 में टिकट देगी या नहीं। या फिर कहां से देगी। ऐसे में वरुण गांधी भाजपा के लिए भी एक पहली बने हुए हैं। हां, इतना जरूर साफ है कि वरुण भाजपा पर ही लगातार हमलावर हैं। और वो कई मौकों पर प्रदेश की बीजेपी सरकार पर ही उंगली उठा चुके हैं। वहीं दूसरी ओर उनके सपा और कांग्रेस दोनों में जाने की चर्चाएं भी समय-समय पर जोर पकड़ती रहती हैं। वहीं वरुण के अलावा कहने वाले तो ये भी कहते हैं कि तलवारें योगी और मोदी के बीच भी खिंची हुई हैं।

2019 में भी यूपी वेस्ट में लगा था झटका

वहीं पश्चिमी यूपी इसलिए भी भाजपा के लिए चिंता का विषय बना हुआ है योंकि सिर्फ विधानसभा चुनाव ही नहीं बल्कि पिछले लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को सबसे बड़ा नुकसान पश्चिमी यूपी में ही हुआ था। 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को जिन 16 सीटों पर हार मिली थी। उनमें सात पश्चिमी यूपी की ही थी। इसमें सहरनपुर भी शामिल है। मुरादाबाद मंडल में भाजपा का प्रदर्शन उद के मुताबिक नहीं रहा। लोकसभा के बाद यह सिलसिला 2022 के विधानसभा चुनाव में भी जारी रहा। इसीलिए पश्चिमी यूपी को साधने के लिए भाजपा ने विधानसभा चुनाव के बाद से ही प्रयास करने शुरू कर दिए। भाजपा ने विधानसभा चुनाव के ठीक बाद अगस्त 2022 में सबसे पहले आरएसएस के धर्मपाल सिंह को राज्य महासचिव (संगठन) नियुक्त किया। धर्मपाल पश्चिम यूपी के बिजनौर से ओबीसी नेता हैं। कुछ दिनों बाद पश्चिमी यूपी के सी भूपेन्द्र चौधरी को यूपी का प्रदेश अध्यक्ष बना दिया गया। भूपेन्द्र सिंह पश्चिम यूपी के मुरादाबाद से आते हैं और उर प्रदेश के पहले जाट हैं। जिन्हें अध्यक्ष बनाया गया है। भाजपा के इस कदम ने सबसे अधिक आबादी वाले राज्य यूपी में उस प्रथा पर ब्रेक लगा दिया है। जिसने अभी तक लोकसभा चुनाव ब्राह्मण प्रमुख के साथ लड़ा है। 2009, 2014, 2019 के चुनावों के दौरान भाजपा की कमान ब्राह्मण नेता के हथ थी। अब पश्चिमी यूपी से आने वाले प्रदेश संगठन के दो बड़े नेताओं के कारण यह साफ है कि पार्टी का फोकस या है। पार्टी में कोई भी फैसला सभी समीकरण देखने के बाद किए जाते हैं। फिलहाल अब ये तो सिर्फ समीकरण हैं। लेकिन इन सभी बातों से ये तो साफ है कि प्रदेश में लगातार दो बार सरकार बनाने के बाद भी 2024 में भाजपा के लिए यूपी में चिंताएं अपार हैं। और इन चुनौतियों से पार पाना भी भाजपा के लिए इतना आसान दिखाई नहीं दे रहा है।

2022 के विधानसभा चुनाव में स्पष्ट बहुमत हासिल करने और कई दशक बाद लगातार दूसरा चुनाव जीतने वाली पार्टी बनने के बाद भी भाजपा के रणनीतिकारों के चेहरे पर पश्चिमी यूपी को लेकर तनाव साफ झलकता है। इसका एक कारण ये भी है कि पश्चिमी यूपी के जाट बेल्ट में सपा और रालोद गठबंधन ने बड़ा प्रभाव डाला है। यहां मुरादाबाद मंडल की 27 में से लगभग 17 सीटों पर जीत हासिल की थी। जबकि यहां भाजपा केवल दस सीटें ही जीत सकी थी। तो वहीं सहरनपुर क्षेत्र की 16 में से नौ सीटों पर सपा-रालोद ने जीत हासिल की थी। इससे इतर अगर ताजा घटनाक्रम को देखें तो बसपा प्रमुख मायावती विपक्षी गठबंधन में शामिल नहीं हुई हैं। मायावती के कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन के करीब जाने की चर्चा ने तब जोर पकड़ लिया था जब यूपी कांग्रेस प्रमुख दलित चेहरा बृजलाल खाबरी और मायावती के करीबी रहे नसीमुद्दीन सिद्दीकी को पद से हटा दिया गया था। इस बीच मायावती ने सहरनपुर के प्रभावशाली मुस्लिम नेता इमरान मसूद को कांग्रेस से नजदीकियों के चलते ही बर्खास्त कर दिया था। हालांकि, बाद में इमरान मसूद गए भी कांग्रेस में ही।



कांग्रेस में जाते ही इमरान ने अब बसपा पर हमला करते हुए 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने के इरादे भी जता दिए हैं। वहीं भाजपा जयंत को इसलिए भी लुभाने का प्रयास कर रही है। योंकि जयंत चौधरी को भीम आर्मी के संस्थापक और आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद का भी करीबी माना जाता है। चंद्रशेखर भी दलितों की उसी जाटव जाति के हैं जिस जाति से मायावती है। चंद्रशेखर भी पश्चिमी यूपी के सहरनपुर से हैं और उन्हें भी भाजपा लुभाने की कोशिश कर रही है। आजाद ने 2022 में पश्चिमी यूपी में एसपी-आरएलडी गठबंधन के उदवारों के लिए प्रचार किया था। और संभव है कि 24 में भी वो सपा और आरएलडी के ही साथ रहेगें।

घोसी उपचुनाव में मिली हार ने पूर्वी यूपी में बढ़ाई परेशानी

भाजपा रालोद को अपने साथ लाने के लिए इसीलिए उत्सुक है। योंकि पूर्वी यूपी के विपक्षी भाजपा को पश्चिमी यूपी में साझेदार नहीं मिल रहे हैं। दरअसल, भाजपा के लिए पश्चिमी यूपी में चुनौतियां पूर्वी यूपी के बिल्कुल विपक्षी हैं। पूर्वी यूपी में भाजपा को लगा था कि दारा सिंह चौहान की वापसी से उसे भले मजबूती मिलेगी। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। योंकि दारा सिंह चौहान भाजपा में आने के बाद अपनी सीट तक नहीं बचा सके। और सपा ने उन्हें एक करारी शिकस्त दी। लेकिन दारा सिंह किसी समय भाजपा ओबीसी विंग के प्रमुख रहे हैं। ऐसे में भाजपा को उद थी कि दारा सिंह के फिर से

हार मिलना उसके लिए करारा झटका माना जा रहा है। लेकिन भाजपा को लगा था कि दारा सिंह चौहान भाजपा के साथ आने से और राजमगर के भी एनडीए में लौट आने से उसे पूर्वी यूपी में और भी मजबूती मिलेगी। योंकि भाजपा को पहले से ही निषाद पार्टी का समर्थन प्राप्त है। निषाद पार्टी मसूद और नातिकों यानी मल्लाह जैसे ओबीसी समुदाय के समर्थन का दावा करती है। इसके साथ ही कुर्मियों के मत का दावा करने वाली आजाद दल (एस) भी भाजपा के साथ है। कुर्मों की सं ओबीसी ने यादवों के बाद सबसे ज्यादा है। चौहान, राजमगर, यानी ऐसे में भाजपा को एक बार फिर घोसी में

आने से भाजपा को लगता था कि पूर्वी यूपी में उसकी स्थिति काफी मजबूत हो चुकी है। लेकिन घोसी उपचुनाव की हार ने पश्चिमी के साथ-साथ पूर्वी यूपी में भी भाजपा को सोचने पर मजबूर कर दिया है। लेकिन पूर्वी यूपी में भाजपा इसलिए खुद को आश्वस्त करने का प्रयास करती है योंकि इन जाति समीकरण के साथ ही भाजपा के सबसे बड़े दो चेहरे पीएम मोदी और सीएम योगी भी पूर्वी यूपी के वाराणसी और गोरखपुर का प्रतिनिधित्व करते हैं। यही वजह है कि भाजपा के लिए असल चुनौती पश्चिमी यूपी ही बना हुआ है। जिसको लेकर भाजपा चिंतित नजर आ रही है।





दिवाली ऐसे करें लक्ष्मी-गणेश की आराधना



पूजा का शुभ मुहूर्त

दिवाली यानी दीपावली के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त 12 नवंबर की शाम 5 बजकर 40 मिनट से लेकर

7 बजकर 36 मिनट तक है। ज्योतिष के अनुसार इस मुहूर्त में लक्ष्मी पूजा करने से जीवन में अपार सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी।

दिवाली का पर्व कार्तिक मास की अमावस्या तिथि के दिन मनाया जाता है। इस साल कार्तिक मास की अमावस्या तिथि की शुरुआत 12 नवंबर को दोपहर 2 बजकर 44 मिनट से शुरू हो रही है। इसका समापन 13 नवंबर, सोमवार की दोपहर 2 बजकर 56 मिनट पर हो रहा है। हिंदू धर्म में वैसे तो उदया तिथि के आधार पर पर्व और त्योहार मनाए जाते हैं, लेकिन दिवाली के दिन लक्ष्मी पूजा प्रदोष काल के समय करना शुभ होता है। प्रदोष काल की पूजा का समय 12 नवंबर को प्राप्त हो रहा है, इसलिए इस साल दिवाली 12 नवंबर 2023 को मनाई जाएगी।

दिवाली तिथि

दिवाली का धार्मिक महत्व

दिवाली की रात भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की नव स्थापित प्रतिमाओं की पूजा की जाती है। इस दिन लक्ष्मी-गणेश के अलावा कुबेर देवता और बही-खाता की पूजा करने की भी परंपरा है। मान्यता है कि दिवाली की रात पूजा करने से जीवन में धन-धान्य की कभी भी कमी नहीं होती है।

यों मनाई जाती है?

दिवाली के पर्व को हर साल अमावस्या की अंधेरी रात्रि में मनाया जाता है। इस दिन दीयों की रोशनी से पूरे घर को रोशन किया जाता है। इसलिए इस पर्व को अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक माना गया है। साथ ही मान्यता है कि दिवाली के दिन ही प्रभु श्रीराम लंकापति रावण को हरा कर अयोध्या लौटे थे। 14 वर्ष का वनवास पूरा कर भगवान राम के लौटने की खुशी में अयोध्यावासियों ने पूरे अयोध्या को दीयों को रोशनी से सजा दिया था। तभी से पूरे देश में दिवाली मनाई जाती है।

लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति खरीदते समय रखें इनका ध्यान

दिवाली पर दौरान लक्ष्मी-गणेश की नई मूर्ति खरीदने का विधान है। हालांकि इनकी नई मूर्ति खरीदते समय कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। कहते हैं दिवाली के दिन मां लक्ष्मी-गणेश की पूजा करने से घर में सुख-संपदा बनी रहती है। इस दौरान मां लक्ष्मी और गणेश भगवान की नई मूर्तियां खरीदी जाती हैं। बाजार से लक्ष्मी मां और गणेश भगवान की मूर्ति खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूर है। गणेश की नई मूर्ति खरीदते समय उनकी सूंड बाईं ओर हो ना की दाईं ओर। गणेश भगवान के साथ उनकी सवारी मूषक और उनकी प्रिय मिठाई मोदक भी जरूर हो। लक्ष्मी मां की नई मूर्ति खरीदते समय ध्यान रखें की मूर्ति ऐसी न खरीदें जिस पर वे उल्लू पर सवार हों। इसके अलावा मूर्ति खड़ी अवस्था में न हो। लक्ष्मी मां की नई मूर्ति ऐसी होनी चाहिए जिस पर वे कमल पर विराजमान हो। ऐसी मूर्ति सबसे शुभ मानी जाती है। कभी भी लक्ष्मी मां और भगवान गणेश की जुड़ी हुई मूर्ति न खरीदें। दोनों मूर्तियां अलग-अलग लें।



हंसना मना है

वाईफ- जानू हम ना..मंडे .. शॉपिंग, टयूसडे .. होटल, वेडनेसडे .. आउटिंग, थर्सडे .. डिनर फ्राइडे.. मूवी, सैटरडे .. पिक्निक जायेंगे। कितना मजा आएगा ना। हसबंड- यस, और संडे मंदिर.. वाइफ- यों..? हसबंड-भीख मांगने।

वाईफ- अगर मैं माउंट एवरेस्ट पर चढ़ूं तो आप मुझे या दोगे? हसबंड- पगली, इसमें पूछने वाली या बात है। ध।।

अमीर आदमी- आज मेरे पास 14 कार, 18 बाइस, 4 बंगले, 3 फार्महाउस है, तुरे पास

या है? गरीब आदमी- मेरे पास बेट। है, जिसकी गर्लफ्रेंड तेरी बेटी है।

पत्नी- शरम नहीं आती, दुसरी औरत को घूर घूर कर देख रहे हो! अब तुम शादी शुदा हो। पति- ऐसा कहां लिखा है की उपवास हो तो खाने का मेनू भी नहीं देख सकते।

मुकेश अंबानी- अगर मैं सुबह से अपनी कार में निकलूं तो शाम तक अपनी आधी प्रॉपर्टी भी नहीं देख सकता, संता- हमारे पास भी ऐसी ही खटारा कार थी, बेच दी।

कहानी

एक सत्संग ऐसी भी

एक सेठ और सेठानी रोज सत्संग में जाते थे। सेठजी के एक घर एक पिंजरे में तोता पाला हुआ था। तोता एक दिन पूछता है कि सेठजी आप रोज कहां जाते हैं। सेठजी बोले-सत्संग में ज्ञान सुनने जाते हैं। तोता कहता है, सेठजी संत महात्मा से एक बात पूछना कि मैं आजाद कब होऊंगा। सेठजी सत्संग खत्म होने के बाद संत से पूछते हैं कि महाराज हमारे घर जो तोता है उसने पूछा है की वो आजाद कब होगा? संत जी ऐसा सुनते ही बेहोश होकर गिर जाते हैं। सेठजी संत की हालत देख कर चुप-चाप वहां से निकल जाते हैं। घर आते ही तोता सेठजी से पूछता है कि सेठजी संत ने या कहा। सेठजी कहते हैं कि तेरी किस्मत ही खराब है जो तेरी आजादी का पूछते ही वो बेहोश हो गए। तोता कहता है कोई बात नहीं सेठजी मैं सब समझ गया। दूसरे दिन सेठजी सत्संग में जाने लगते हैं तब तोता पिंजरे में जानबूझ कर बेहोश होकर गिर जाता है। सेठजी उसे मरा हुआ मानकर जैसे ही उसे पिंजरे से बाहर निकालते हैं, तो वो उड़ जाता है। सत्संग जाते ही संत सेठजी को पूछते हैं कि कल आप उस तोते के बारे में पूछ रहे थे ना अब वो कहां हैं। सेठजी कहते हैं, हां महाराज आज सुबह-सुबह वो जानबूझ कर बेहोश हो गया, मैंने देखा की वो मर गया है इसलिये मैंने उसे जैसे ही बाहर निकाला तो वो उड़ गया। तब संत ने सेठजी से कहा की देखो तुम इतने समय से सत्संग सुनकर भी आज तक सांसारिक मोह-माया के पिंजरे में फंसे हुए हो और उस तोते को देखो बिना सत्संग में आये मेरा एक इशारा समझ कर आजाद हो गया। इस कहानी से तात्पर्य ये है कि हम सत्संग में तो जाते हैं ज्ञान की बातें करते हैं या सुनते भी हैं, पर हमारा मन हमेशा सांसारिक बातों में ही उलझा रहता है। सत्संग में भी हम सिर्फ उन बातों को पसंद करते हैं जिसमें हमारा स्वास्थ सिद्ध होता है। जबकि सत्संग जाकर हमें सत्य को स्वीकार कर सभी बातों को महत्व देना चाहिये और जिस असत्य, झूठ और अहंकार को हम धारण किये हुए हैं उसे साहस के साथ मन से उतार कर सत्य को स्वीकार करना चाहिए।

7 अंतर खोजें



जानिए कैसा रहेगा

यह सप्ताह

मेष 	आज प्रवास और यात्रा का संभावनाएं है। दिवाली की शाम का ज्यादातर समय मेहमानों के साथ गुजरेंगा। नौकरी में उच्चाधिकार प्रसन्न रहेंगे।	तुला 	आज दिवाली के दिन आप अपने दिल की बातें साझा करने की सोच सकते हैं। अपने मन की बात कहने में घबरएं नहीं। शान शौकत पर अधिक खर्च से बचें।
वृषभ 	दिवाली का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहेगा। आज घर परिवार में आपकी कुछ जिंदगियां बढ़ सकती हैं, जिसके कारण आपको मन थोड़ा परेशान रहेगा।	वृश्चिक 	जो लोग रोजगार की दिशा में प्रयास कर रहे हैं आज का दिन उनके लिए उमर रहने वाला है। उनको आज कुछ नए अवसर प्राप्त होंगे।
मिथुन 	आज आपको 1 दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार संबंधी यात्राओं के योग बन रहे हैं। व्यापार की गति तेज होगी। जीवनसाथी के साथ रिश्ते और बेहतर होंगे।	धनु 	आज आपको आर्थिक रूप से अपने नगे-संबंधियों की मदद मिलेगी। विद्यार्थियों को अपने करियर को बेहतर बनाने में गुरुजनों का सहयोग प्राप्त होगा।
कर्क 	आज दिवाली के दिन नौकरीपेशा लोगों को थोड़ा संभल कर रहने की जरूरत है। हो सकता है कि कार्यस्थल पर आपको किसी से विवाद हो जाए।	मकर 	आपकी मेहनत और कार्यशैली नौकरी में सफलता प्रदान करेगी। अगर आप व्यापार करते हैं और कोई बड़ा निवेश करने वाले हैं तो आज आपको कोई अच्छा मौका मिल सकता है।
सिंह 	दिवाली के दिन आपके चारों ओर का वातावरण सुखमय रहेगा। आज आपको किसी भी कार्य के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं होना है। आपके सभी कार्य आसानी से बनते चले जाएंगे।	कु 	आज दिवाली के दिन आपको अपने किसी नए कार्य के कारण आपकी डेली रूटीन में बदलाव करना पड़ सकता है। नौकरी कर रहे जातकों को आज पदोन्नति प्राप्त हो सकती है।
कन्या 	आज दिवाली का दिन ठीक-ठाक रहेगा। जीवनसाथी की बेहतर सलाह से आपको पैसे कमाने का नया जरिया मिलेगा। सेहत के लिहाज से दिन बेहतर रहने वाला है।	मीन 	दिवाली का दिन बढ़िया रहेगा। आपके अंदर आत्मविश्वास की अधिकता रहेगी लेकिन ओवर कॉन्फिडेंस होने से बचें। नौकरीपेशा लोगों को तारी के नए अवसर प्राप्त होंगे।

साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म सालार बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। दर्शक बेसब्री से फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। वहीं फैंस को फिल्म से जुड़ी छोटी से छोटी जानकारी का भी इंतजार है। अब हाल ही में, खबर आई है कि फिल्म गदर-2 के साथ मु भूमिका में डू करने वाली सिमरत कौर भी प्रभास की सालार में नजर आएंगी। सिमरत के फैंस इस खबर से काफी उत्साहित हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो प्रभास को अभिनीत फिल्म सालार पार्ट 1 - सीजफायर में एक विशेष भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। अभिनेत्री हाल ही में हैदराबाद के रामोजी राव फिल्म सिटी में गाने की शूटिंग के सेट पर शामिल हुईं। 22 दिसंबर को रिलीज होने वाली यह फिल्म 1 दिसंबर को एक भव्य कार्यक्रम के साथ फिल्म का ट्रेलर भी जारी करने वाली है। सालार में सिमरत कौर पर फिल्माए गए गाने की शूटिंग कई लोगों के लिए आश्चर्य की बात थी योंकि हाल तक फिल्म में किसी विशेष गाने की कोई पिछली खबर नहीं थी।

बॉलीवुड

मसाला



प्रभास की सालार में हुई निमरत कौर की इंट्री

दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी और बॉक्स ऑफिस पर शाहरुख खान की डंकी से भिड़ेगी। अब सालार के निर्माता फिल्म के ट्रेलर और नए पोस्टर की

सीरीज लॉन्च करेंगे। फिल्म के लिए प्रशंसकों को उत्साहित करने के लिए फुल-लेंथ ट्रेलर को दिसंबर में रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है।

कॉफी विद करण के लेटेस्ट एपिसोड में सारा अली खान और अनन्या पांडे नजर आईं। इस दौरान करण ने सारा अली खान से उनके कार्तिक आर्यन संग ब्रेकअप और उनके साथ



कार्तिक संग ब्रेकअप को लेकर सारा अली खान ने दर्द किया बयां

कॉफी विद करण

अब दोस्ती बनाए रखने को लेकर एक सवाल पूछा। इस पर सारा ने खुलकर जवाब दिया। करण जौहर

सारा से उनके एस से दोस्ती बनाए रखने पर सवाल किया। फिल्ममेकर ने पूछा कि या उनके लिए उस श के साथ दोस्ती बनाए रखना आसान है जिसे वे डेट कर चुकी हैं? सारा अली खान ने जवाब में कहा कि, मैं ऐसा नहीं कहूंगी कि

कार्तिक आर्यन को सारा-अनन्या ने किया है डेट

बता दें कि सारा अली खान और कार्तिक आर्यन ने एक दूसरे क एक साल तक डेट किया था। हालांकि कुछ समय बाद ही दोनों का ब्रेकअप हो गया था। वहीं अनन्या पांडे भी कार्तिक के साथ कुछ महीने तक रिश्ते में था, जो कि फिलहाल आदित्य रॉय कपूर को डेट करने को लेकर सुर्खियों में हैं।

यह सब आसान है, योंकि यह थोड़ा ज्यादा अजीब लगेगा। यह हमेशा आसान नहीं होता। जब आप किसी के साथ इन्वॉल्व होते हैं, चाहे वह दोस्त हो, प्रोफेशनली हो, रोमांटिक तौर पर हो, खास तौर से अगर बात मेरी हो तो मैं इंवॉल्व होती हूँ और इन्वेस्ट करती हूँ।

आरिवर पतली पटरियों पर कैसे दौड़ती है भारी-भरकम ट्रेन!

कोई भी वाहन हो सड़क अगर उबड़-खाबड़ हो तो चलना मुश्किल होता है। कई बार तो वह पलट जाती है। लेकिन कभी अपने सोचा कि रेलवे की पटरियां तो इतनी पतली होती हैं तो फिर ट्रेन इन पटरियों पर चलती कैसे है? इतना भारी भरकम होने के बावजूद वह पलटती यों नहीं? बारिश होने के बावजूद बिना फिसले सरपट दौड़ती रहती है, फिसलती यों नहीं? ऑनलाइन प्लेटफार्म कोरा पर यही सवाल पूछा गया। यूजर्स ने अपने-अपने हिसाब से जवाब दिए। लेकिन या आपको सही जवाब पता है। दरअसल, इसके पीछे एक विज्ञान है। आपने भी फिजिस में घर्षण का नियम पढ़ा होगा। ट्रेन के दोनों किनारों से लगने वाला पार्श्वकारी बल (लैटरल बल) निश्चित सीमा के अंदर ही रहता है। जब तक पार्श्वकारी बल लंबवत लगने वाले बल से 30 या 40 प्रतिशत से अधिक नहीं होता, तब तक ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने या पटरी से उतरने का खतरा नहीं है। बल के इस स्तर को बनाए रखने के लिए वैज्ञानिक तरीकों का प्रयोग किया जाता है। ट्रेन को दुर्घटना से बचाने के लिए उसकी अधिकतम गति क्षमता से कम पर उसे चलाया जाता है। ऐसा नहीं है कि हादसे नहीं होते। कई बार पटरियों की सुरक्षा में खामी होने की वजह से दिकर्त आती हैं और ट्रेन पटरी से उतर जाती है। इसीलिए बार- बार इनकी जांच की जाती है। खासकर पटरी बिछाने के दौरान इनका ध्यान रखा जाता है। ड्राइवर को भी इस बारे में विशेष ट्रेनिंग दी जाती है ताकि वह मानक से आगे न निकले। ट्रेन पटरी को अंदर से पकड़कर चलती है। यानी ट्रेन के टायर पटरी में सेट हो जाते हैं और टायर में पटरी के अंदर रहने वाला हिस्सा बड़ा होता है, जो पटरी को जकड़कर रखता है। ऐसे में जिस तरह ट्रेन की पटरी होती है, उसी तरह ट्रेन आगे बढ़ती है। मान लीजिए ट्रेन अगर सीधी है और उसकी शेष भी सीधी है तो ट्रेन भी सीधी ही जाएगी। इसे जहां मुड़ना होता है, वहां पटरी थोड़ी अलग होती है। आप देखेंगे पटरी के बीच नुकीले रेल यानी लोहे की पटरी लगी होती है। यह आने वाली ट्रेन को दिशा देने का काम करता है। यह थोड़ी घूमी हुई होती है।



अजब-गजब

इस गांव के लोग आज भी हैं बजरंग बली से नाराज, नहीं करते पूजा

द्रोणागिरी पर्वत के लोग मानते हैं कि हनुमान जी ने उखाड़ ली थी पहाड़ देवता की दायीं भुजा

भारत ही नहीं बल्कि पूरे संसार में हनुमान जी को संकटमोचन, महावीर जैसे कई नामों से जाना जाता है। लेकिन देवभूमि उराखंड में एक ऐसा गांव है, जहां बजरंग बली का नाम लेना भी अपराध के समान है। बात थोड़ा हैरान करने वाली तो है लेकिन पूरी तरह से सच है। साथ ही पूरे गांव में एक भी हनुमान मंदिर नहीं है। कहा जाता है कि इस गांव के लोग हनुमान से आज भी नाराज हैं। उराखंड के चमोली जिले की नीति घाटी में द्रोणागिरी गांव है, जहां भोटिया जनजाति के करीब 100 परिवार रहते हैं। समुद्र तल से करीब 12 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित यह वहीं गांव है, जहां हनुमान मूर्छित पड़े लक्ष्मण की जान बचाने के लिए संजीवनी लेने आए थे और संजीवनी न पहचानने के कारण पूरा पर्वत ही उखाड़ कर ले गए थे। यही इस गांव वालों के गुस्से की वजह भी है।

स्थानीय निवासी बताते हैं कि द्रोणागिरी पर्वत उनके लिए देवता हैं, जो साक्षात् रूप में उन्हें दिखाई देते रहे हैं। जब हनुमान जी संजीवनी बूटी लेने आए, तो उन्होंने पहाड़ देवता से इसकी अनुमति नहीं ली और न ही उनकी ध्यान साधना पूरी होने का इंतजार किया, जिससे पहाड़ देवता का ध्यान भंग हुआ। इतना



ही नहीं हनुमान जी ने पहाड़ देवता की दाईं भुजा भी उखाड़ डाली। द्रोणागिरी में मान्यता है कि आज भी पहाड़ देवता की दाईं भुजा से र बह रहा है। यही वजह है कि यहां के लोग आज तक हनुमान जी से नाराज हैं और उनकी पूजा नहीं करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के जानकर प्रतीक मिश्र पुरी

बताते हैं कि धार्मिक कहानी में कई जगह जिक्र है कि संजीवनी बूटी शबरी के जूटे बेर की गुदलियों से बनाई गई थी। द्रोणागिरी के लोगों का हनुमान से खफा होना इसलिए भी जायज है योंकि अगर आज यहां पर द्रोणागिरी पर्वत पूरी तरह से होता, तो शायद गांव में और संपन्नता रहती।

लोक पहल, राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक, मुमुक्षु आश्रम, शाहजहाँपुर, प्रधान संपादक अरूण पाराशरी

लोक पहल हिन्दी साप्ताहिक स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. अवनीश कुमार मिश्रा द्वारा शाहजहाँपुर प्रिन्टर्स जज साहब वाली गली, तारीन बहादुरगंज जिला शाहजहाँपुर 242001 से मुद्रित व 160 रोशनगंज लक्ष्मी राईस मिल, शाहजहाँपुर 242001 उ0प्र से प्रकाशित। संपादक-सुयश सिन्हा मो. 9935740205 E-mail: lokpahalspn@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र शाहजहाँपुर होगा।

